भारत सरकार
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या: 1642
दिनांक 01 अगस्त, 2024

पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण

†1642. डॉ. राजेश मिश्राः

क्या **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का अन्य देशों से कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करने तथा बुनियादी ढांचे पर विकास परियोजनाओं के लिए भारत की विदेशी मुद्रा बचाने के लिए पेट्रोल में इथेनॉल मिश्रण का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) बाजार में इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल बेचने के लिए सरकार की कार्ययोजना का ब्यौरा क्या है; और

(घ) किसी एक वर्ष में देश की कितनी विदेशी मुद्रा बचाई जा सकती है, उसका ब्यौरा क्या है?

उत्तर
पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री सुरेश गोपी)

(क) और (ख) सरकार आयात निर्भरता में कमी करने, विदेशी विनिमय में बचत करने, घरेलू कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने और सम्बद्ध पर्यावरणीय लाभों सहित बहुउद्देश्यों के साथ एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (ईबीपी) कार्यक्रम के अन्तर्गत एथेनॉल मिश्रित पेट्रोल को बढ़ावा दे रही है। ईबीपी कार्यक्रम के अन्तर्गत, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कम्पनियों (ओएमसीज) ने एथेनॉल आपूर्ति वर्ष (ईएसवाई) 2022-23 (1 दिसम्बर, 2022 से 31 अक्टूबर, 2023) के दौरान एथेनॉल मिश्रण करने से 509 करोड़ लीटर पेट्रोल की बचत की है जिसके परिणामस्वरूप 24,300 करोड़ रुपए से अधिक के विदेशी विनिमय की अनुमानित बचत हुई है।

(ग) और (घ) "भारत में एथेनॉल मिश्रण के लिए रोडमैप, 2020-25" के अनुसार ईएसवाई 2025-26 में 20% एथेनॉल मिश्रण की अनुमानित आवश्यकता के लिए लगभग 1016 करोड़ लीटर है और पेट्रोल की यह मात्रा एथेनॉल द्वारा पूरी की जाएगी। रोडमैप के अनुसार, ई20 कार्यक्रम की सफलता से राष्ट्र को प्रतिवर्ष करीब 4 बिलियन यूएस डॉलर (यूएसडी) की बचत होगी।

****